-----------------------------------------------------------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (52) खण्ड - {103}

-----------------------------------------------------------

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- सतयुग में -

A- खाने वाले ही थोड़े, सबकी अपनी खेती रहती है।

B- तुम स्वर्गवासी होगें।

C- बरसात आदि होगी।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- यहाँ तो बाप आकर सिर्फ कौन से दो अक्षर ही समझाते हैं ?

A- शान्तिधाम और सुखधाम

B- बाप और घर को याद करो

C- मुक्ति और जीवनमुक्ति

D- मनमनाभव और मामेकम्

प्रश्न 3- ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा।इस आधार पर सही पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- ब्रह्मा सो विष्णु अर्थात बह्मा की रात।

B- विष्णु सो ब्रह्मा अर्थात् ब्रह्मा का दिन।

C- विष्णु सो ब्रह्मा बनने में 5000 वर्ष लगते हैं।

D- A और B

प्रश्न 4- आत्मा की ज्योत कब बुझती है ?

A- जब कोई मरता है तो।

B- जब तमोप्रधान बन जाते हैं।

C- कलियुग अन्त में।

D- कभी बुझती नहीं है।

प्रश्न 5- तुम कहेंगे हमारे मम्मा-बाबा की पाठशाला है।मम्मा-बाबा अर्थात् -

A- ब्रह्मा और शिवबाबा

B- ब्रह्मा और जगत अम्बा

C- ब्रह्मा और सरस्वती

D- शिव बाबा और जगदम्बा

प्रश्न 6- बैटरी कैसे चार्ज करनी है ?

A- विनाश के समय सब जब बाप को याद करते हैं

B- स्वयं को आत्मा समझ कर

C- बाप को याद करो तो

D- श्रीमत पर चलकर

प्रश्न 7- हमारी बैटरी डिस्चार्ज कब हो जाती है ?

A- द्वापर से

B- कलियुग में

C- 5 हजार वर्ष बाद

D- सतयुग से

प्रश्न 8- पाप सब कटकर पुण्य कैसे जमा हो ?

A- बाप की याद से

B- बाप का संग से

C- मन-बुद्धि की शक्ति से

D- श्रीमत पर चलने से

प्रश्न 9- सीढ़ी उतरना कब से चालू करते हैं ?

A- 16 कला सम्पूर्ण बनते हो वहा से

B- 14 कला से

C- द्वापर युग से

D- सतयुग के अन्त से

प्रश्न 10- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- महान् आत्मा

B- पाप आत्मा

C- पवित्र आत्मा

D- महान् परमात्मा

प्रश्न 11- याद की यात्रा से होता है ?

A- तुम्हारी कमाई जमा होती है,

B- तुम घाटे से फायदे में आते हो,

C- विश्व के मालिक बनते हो,

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- कोई भी आये तो समझाना चाहिए-

A- भगवान बाबा भी है, टीचर भी है और सतगुरू भी है।

B- बाबा हमको मनुष्य से देवता बनाते हैं।

C- सभी की यह एक ही हट्टी है, यहाँ सबको आना ही है।

D- हम सब के दो बाप है।

प्रश्न 13- किस के चित्र पर तुम कोई को सुनायेंगे तो कभी गुस्सा नहीं करेंगे ?

A- त्रिमूर्ति के

B- शिव के

C- सीढी के

D- लक्ष्मी नारायण के

प्रश्न 14- दुनिया कब खत्म होती है ?

A- बाप आते हैं तो

B- नहीं होती है।

C- सारी सृष्टि तमोप्रधान हो जाती है तो

D- कलियुग अन्त में

प्रश्न 15- किसको कहा जाता है शमशानी वैराग्य ?

A- शमशान में जब मनुष्य जाते हैं, तो फिर बड़ा वैराग्य आता है।

B- बस, यह शरीर ऐसे छोड़ने का है, फिर हम पाप क्यों करें।

C- पाप करते-करते हम ऐसे मर जायेंगे ,ऐसे ख्यालात आते हैं।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- ऐसा तृप्त और विशालबुद्धि बनना है जो -

A- किसी में भी आंख न डूबे।

B- दिल में कोई भी आश न रहे।

C- बुद्धि हृद से निकल सदा बेहद में रहे।

D- कोई चीज की दरकार न रहे।

---------------------------------------------------------

भाग (52) खण्ड {103} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---------------------------------------------------------

उत्तर 1- *D.उपरोक्त सभी*

*वहाँ तो इतने मनुष्य होते नहीं। खाने वाले ही थोड़े, सबकी अपनी खेती रहती है।* अनाज रखकर क्या करेंगे। *वहाँ बरसात आदि के लिए यज्ञ आदि नहीं करने पड़ते, जैसे यहाँ करते हैं।* शिव जयन्ती मनाई जाती है। वह है बेहद का बाप, उसने ही स्वर्ग की स्थापना की थी। *कल की बात है, तुम स्वर्गवासी थे।*

उत्तर 2- *B.बाप और घर को याद करो*

भक्ति मार्ग में कितनी खिट-खिट सुनते रहते हैं। यहाँ तो बाप आकर सिर्फ दो अक्षर ही समझाते हैं। जैसे मंत्र जपते हैं ना। कोई गुरू को याद करते हैं, कोई किसको याद करते हैं।

स्टूडेण्ट टीचर को याद करते हैं। *अभी तुम बच्चों को सिर्फ बाप और घर ही याद है।* बाप से तुम वर्सा लेते हो शान्तिधाम और सुखधाम का। वही दिल में याद रहता है।

उत्तर 3- *C.विष्णु सो ब्रह्मा बनने में 5000 वर्ष लगते हैं*

भक्ति की डिपार्टमेंट ही अलग है। भक्ति में ठोकरें खानी होती हैं। ब्रह्मा की रात सो ब्राह्मणों की रात है। ब्रह्मा का दिन सो ब्राह्मणों का दिन है। ब्रह्मा का दिन, ब्रह्मा की रात कहते हैं परन्तु जानते नहीं हैं। विष्णु और ब्रह्मा का सम्बन्ध भी समझाया जाता है। *विष्णु सो ब्रह्मा बनने में 5000 वर्ष लगते हैं ।*

उत्तर 4- *D.कभी बुझती नहीं है*

अभी तुम्हारी आत्मा की ज्योत बहुत कम हो गई है। एकदम बुझ नहीं जाती है। जब कोई मरता है तो दीवा जलाते हैं। फिर उसकी बहुत सम्भाल रखते हैं कि बुझ न जाए। *आत्मा की ज्योत कभी बुझती नहीं है, वह तो अविनाशी है।* यह सब बातें बाप बैठ समझाते हैं।

उत्तर 5- *A.ब्रह्मा और शिवबाबा*

जैसे कोई बच्चे का बाप प्रिन्सीपल होगा तो कहेंगे हम अपने बाबा के कॉलेज में पढ़ते हैं। उनकी माँ भी प्रिन्सीपल है तो कहेंगे हमारे माँ-बाप दोनों प्रिन्सीपल हैं। दोनों पढ़ाते हैं। हमारे मम्मा-बाबा का कॉलेज है। *तुम कहेंगे हमारे मम्मा-बाबा की पाठशाला है। मम्मा- बाबा अर्थात ब्रह्मा और शिवबाबा- दोनों ही पढ़ाते हैं।*

उत्तर 6- *C.बाप को याद करो तो*

मीठे बच्चे - तुम पवित्र बनने के बिगर वापिस जा नहीं सकते इसलिए *बाप की याद से आत्मा की बैटरी को चार्ज करो और नैचुरल पवित्र बनो।*

उत्तर 7 - *C.5 हजार वर्ष बाद*

यहाँ तुम बच्चों को समझाया जाता है, बैटरी कैसे चार्ज करनी है। भल घूमो फिरो, बाप को याद करो तो

सतोप्रधान बन जायेंगे। कोई भी बात न समझो तो पूछ सकते हो। है बिल्कुल सहज। *5 हजार वर्ष बाद हमारी बैटरी डिस्चार्ज़ हो जाती है।* बाप आकर सबकी बैटरी चार्ज़ कर देते हैं।

उत्तर 8 - *A.बाप की याद से*

एक बाप को ही याद करो तो तुम्हारे पाप जल जायेंगे। तुम जन्म-जन्मान्तर की पाप आत्मायें हो ना। यह है ही पाप आत्माओं की दुनिया। सतयुग है पुण्य आत्माओं की दुनिया। *अब पाप सब कटकर पुण्य कैसे जमा हो? बाप की याद से ही जमा होंगे।*

उत्तर 9 - *A 16.कला सम्पूर्ण बनते हो वहाँ से*

भक्तों को भगवान ने फल दिया आधाकल्प सुख का, फिर रावण राज्य में दु:ख शुरू होता है। आहिस्ते-आहिस्ते सीढ़ी उतरते हैं। तुम सतयुग में हो तो भी एक दिन जो बीता, सीढ़ी उतरनी होती है। *तुम 16 कला सम्पूर्ण बनते हो, फिर

सीढ़ी उतरते ही रहते हो।* सेकण्ड बाई सेकण्ड टिक-टिक होती है।

उत्तर 10 - *D.महान परमात्मा*

तुम्हारी आत्मा पतित बनी है, उनको पावन बनाना है। *कहते भी हैं महान् आत्मा, पाप आत्मा। महान् परमात्मा नहीं कहते हैं।* अपने को परमात्मा वा ईश्वर भी नहीं कहते।

उत्तर 11 - *D.उपरोक्त सभी*

मीठे बच्चे - *याद की यात्रा से ही तुम्हारी कमाई जमा होती है, तुम घाटे से फायदे में आते हो, विश्व के मालिक बनते हो“*

उत्तर 12 - *A.भगवान बाबा भी है, टीचर भी है और सतगुरु भी है*

प्रदर्शनी अथवा म्युजियम में तुम्हारे पास बहुत आते हैं, घर में भी मित्र-सम्बन्धी आदि बहुत आते हैं। *कोई भी आये

तो समझाना चाहिए कि जिसको भगवान कहा जाता है वह बाबा भी है, टीचर भी है और सतगुरू भी है।*

उत्तर 13 - *B.शिव के*

चित्र तो सबके पास हैं। *शिव के चित्र पर तुम कोई को सुनायेंगे तो कभी गुस्सा नहीं करेंगे।* बोलो, आओ तो हम आपको बतायें कि यह शिव बेहद का बाप है ना। इनके साथ आपका क्या सम्बन्ध है? शिव के लिए जरूर कहेंगे यह भगवान है, भगवान तो निराकार ही होता है।

उत्तर 14 - *B.नही होती है*

*दुनिया कभी खत्म नहीं होती है। सिर्फ एज बदलती है - गोल्डन एज, सिल्वर एज, कॉपर एज, आइरन एज।* 16 कला से 14 कला। दुनिया तो वही चलती रहती है, नई से पुरानी होती है। बाप तुमको राजाओं का राजा बनाते हैं इस पढ़ाई से।

उत्तर 15 - *D.उपरोक्त सभी*

*शमशान में जब मनुष्य जाते हैं तो फिर बड़ा वैराग्य आता है। बस, यह शरीर ऐसे छोड़ने का है, फिर हम पाप क्यों करें। पाप करते-करते हम ऐसे मर जायेंगे! ऐसे ख्यालात आते हैं। उसको कहा जाता है शमशानी वैराग्य।* समझते भी हैं जाकर दूसरा शरीर लेंगे। परन्तु ज्ञान तो नहीं है ना।

उत्तर 16 - *A.किसी में भी आँख न डूबे*

*ऐसा तृप्त और विशालबुद्धि बनना है जो किसी में भी आंख न डूबे।* दिल में कोई भी आश न रहे क्योंकि यह सब विनाश होना है।

------------------------------------------------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (52) खण्ड - {104}

------------------------------------------------

प्रश्न 1- पेट क्या मांगता है, लेकिन इसके लिए कितना पाप करते हैं ?

A- दो रोटी

B- अच्छा खाना

C- सच्चा धन से कमाया हुआ खाना

D- दाल - रोटी

प्रश्न 2- नम्बरवन जो भक्त हैं, उनसे भी बाप पूछते हैं तुम जिस भगवान के भक्त थे, उनको जानते थे ? नम्बरवन भक्त कौन है ?

A- ब्रह्माबाबा

B- संन्यासी

C- गुरु लोग

D- मीराबाई

प्रश्न 3- सारी पढ़ाई का तन्त (सार) क्या रह जाता है ?

A- तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है।

B- हम आत्मा बाप के बच्चे हैं, बाप को याद करना है।

C- कर्मातीत बनना

D- बाप से पूरा वर्सा लेना

प्रश्न 4- शान्ति कहाँ है ?

A- सुखधाम में

B- बाप की याद में

C- शान्तिधाम

D- A और C

E- A B और C

प्रश्न 5- जो फरिश्ते स्वरूप की स्मृति में रहेंगे उनके सामने कोई परिस्थिति वा विघ्न आयेगा भी तो -

A- बाप उनके लिए छत्रछाया बन जायेंगे। तो बाप की छत्रछाया वा प्यार का अनुभव करते विघ्न जीत बन जायेंगे।

B- स्व-स्थिति से परिस्थिति पर सहज विजय प्राप्त कर लेंगे।

C- शान्तचित्त रहेंगे।

D- पेपर समझ पास कर लेंगे।

प्रश्न 6- शान्त होने की युक्ति क्या है ?

A- शान्तिधाम में चले जाओ तो

B- बाप को याद करो तो

C- पवित्रता में रहो तो

D- स्वमान में स्थित हो जाओ तो

प्रश्न 7- कहते हैं पहले-पहले तो यह पक्का निश्चय करो -

A- बाप ने हमको एडाप्ट किया है।

B- अब तुम्हारी बुद्धि में है कि हम सब आत्मायें ऊपर में थी।

C- हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।

D- हम आत्मा तुम भी आत्मा।

प्रश्न 8- कौन सा भूत बहुत अशुद्ध है। मनुष्य को एकदम गन्दा बना देता है ?

A- लोभ

B- मोह

C- क्रोध

D- अहंकार

प्रश्न 9- सेन्टर्स क्यों खोले जाते हैं ?

A- मुरली क्लास के लिए

B- बाप का परिचय देने के लिए

C- पवित्र आत्मा बनने के लिए

D- कोर्स करने के लिए

प्रश्न 10- भक्ति मार्ग में क्या नहीं जानते -

A- आत्मा के घर को।

B- घर जाना कब है, कैसे जाना है।

C- कल्प की आयु को।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- सतयुग आदि है भी सत, होसी भी सत.. इसका अर्थ क्या है ?

A- सत बाप सतयुग की स्थापना करते हैं।

B- सत सत से सतयुग होगा।

C- सतयुग फिर फिर से फिरता रहेगा।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- तुम समझाते तो बहुतों को हो फिर कोई झट समझ जाते हैं और कोई देर से समझते हैं। कम समझते हैं तो

समझो-

A- इसने भक्ति देरी से की है।

B- यह सतयुग में आने वाले नही है।

C- पापों का बोझा बहुत है।

D- यह देव कुल की आत्मा नहीं है।

प्रश्न 13- स्वीट होम है ?

A- सतयुग नई दुनिया

B- शान्तिधाम

C- संगमयुग

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 14- रावण राज्य में क्रिमिनल आंखों के धोखे से बचने के लिए -

A- ज्ञान को जीवन में धारण करना है।

B- पवित्रता जो नम्बरवन कैरेक्टर है, उसे ही धारण करना है।

C- ज्ञान के तीसरे नेत्र से देखने का अभ्यास करना है।

D- फ़रिश्तेपन की स्थिति में रहना है।

प्रश्न 15- तुम बच्चे अपने भाग्य की महिमा किन शब्दों में करते हो ?

A- हमें स्वयं भगवान पढ़ाते हैं तो कितने भाग्यशाली हुए।

B- ड्रामा में सबसे बड़ा पोजीशन है।

C- हमने सारे कल्प में आलराउन्ड पार्ट बजाया है।

D- हम ही विश्व के मालिक बनते हैं।

प्रश्न 16- सबसे बड़ा पोजीशन किस का है ?

A- श्रीकृष्ण का

B- निराकार बाप का,

C- लक्ष्मी-नारायण का

D- ब्राह्मणों का

---------------------------------------------------------

भाग (52) खण्ड {104} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---------------------------------------------------------

उत्तर 1- *A.दो रोटी*

जिनके पास जो है सब खत्म होने का है। *पेट तो वही दो रोटी मांगता है लेकिन इसके लिए कितना पाप करते हैं।* इस समय दुनिया में पाप ही पाप हैं। पेट पाप बहुत कराता है। एक-दो के ऊपर झूठे कलंक लगा देते हैं। पैसे भी ढेर कमाते हैं।

उत्तर 2 - *A.ब्रह्मा बाबा*

भक्त लोग तो भगवान को भी नहीं जानते। खुद कहते हैं हम नहीं जानते। *नम्बरवन जो भक्त ब्रह्मा हैं, उनसे भी बाप पूछते हैं तुम जिस भगवान के भक्त थे, उनको जानते

थे?* वास्तव में भगवान भी होना एक चाहिए। यहाँ तो अनेक भगवान हो गये हैं।

उत्तर 3 - *B.हम आत्मा बाप के बच्चे है, बाप को याद करना है*

दुनिया में और कोई मनुष्य नहीं होगा जिसको यह बुद्धि में हो कि सतोप्रधान कब होते हैं? फिर तमोप्रधान कब बनते हैं? बाप आकर बिल्कुल सहज नॉलेज सुनाते हैं, पढ़ाते हैं। *फिर भी सारी पढ़ाई का तन्त रह जाता है - हम आत्मा बाप के बच्चे हैं, बाप को याद करना है।*

उत्तर 4 - *E. A B और C*

*देवताओं के राज्य सुखधाम में तो विश्व में शान्ति थी। * अब फिर तुमको सिखलाने आया हूँ - विश्व में शान्ति कैसे स्थापन हो। तो तुमको भी शान्ति में रहना पड़े। *शान्त होने की युक्ति बताता हूँ कि मेरे को याद करो तो तुम शान्त हो, शान्तिधाम में चले जायेंगे।* कोई बच्चे तो शान्त रहकर औरों को भी शान्ति में रहना सिखलाते हैं।

उत्तर 5 - *A.बाप उनके लिए छत्रछाया बन जायेंगे। तो बाप की छत्रछाया वा प्यार का अनुभव करते विघ्न जीत बन जायेंगे।*

रोज़ अमृतवेले बापदादा आपको अपनी बांहों में समा लेंगे, अनुभव करेंगे कि बाबा की बाहों में, अतीन्द्रिय सुख में झूल रहे हैं। *जो फरिश्ते स्वरूप की स्मृति में रहेंगे उनके सामने कोई परिस्थिति वा विघ्न आयेगा भी तो बाप उनके लिए छत्रछाया बन जायेंगे। तो बाप की छत्रछाया वा प्यार का अनुभव करते विघ्न जीत बनो।*

उत्तर 6 - *B.बाप को याद करो तो*

बाप कहते है - विश्व में शान्ति कैसे स्थापन हो। तो तुमको भी शान्ति में रहना पड़े। *शान्त होने की युक्ति बताता हूँ कि मेरे को याद करो तो तुम शान्त हो, शान्तिधाम में चले जायेंगे*।

उत्तर 7 - *C.हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।*

*बाप कहते हैं पहले-पहले तो यह पक्का निश्चय करो कि हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।* बाप ने हमको एडाप्ट किया है, हम एडाप्टेड बच्चे हैं। दूसरा कोई समझा न सके। बाप कहते हैं देह सहित देह के सब धर्मों को भूल, मामेकम् याद करो। सतोप्रधान जरूर बनना पड़ेगा। यह भी जानते हो पुरानी दुनिया का विनाश तो होना ही है। नई दुनिया में बहुत थोड़े होते हैं। कहाँ इतनी करोड़ों आत्मायें और कहाँ 9 लाख। इतने सब कहाँ जायेंगे?

उत्तर 8 - *A.लोभ*

विकारों को कहा जाता है भूत, *लोभ का भी भूत कम नहीं है। यह भूत बहुत अशुद्ध है। मनुष्य को एकदम गन्दा बना देता है।* लोभ भी बहुत पाप कराता है। 5 विकार बहुत कड़े भूत हैं।

उत्तर 9- *B.बाप का परिचय देने के लिए*

बाप आते ही हैं पुरूषोत्तम संगमयुग पर। तो समझाने की कितनी मेहनत करनी पड़ती है। *बाप का परिचय देने लिए ही सेन्टर्स खोले जाते हैं।* बेहद के बाप से बेहद का वर्सा लेना है। भगवान तो है निराकार। श्रीकृष्ण तो देहधारी है, उनको भगवान कह नहीं सकते।

उत्तर 10- *D.उपरोक्त सभी*

भल *भक्ति मार्ग में भी आत्मा के घर को याद करते हैं परन्तु घर जाना कब है, कैसे जाना है, वह कुछ भी नहीं जानते। कल्प की आयु लाखों वर्ष कह देने कारण घर भी भूल गया है।* समझते हैं लाखों वर्ष यहाँ ही पार्ट बजाते हैं तो घर भूल जाता है। अभी बाप याद दिलाते हैं।

उत्तर 11- *C.सतयुग फिर फिर से फिरता रहेगा*

*सतयुग आदि है भी सत्, होसी भी सत् यानी फिर-फिर से यह फिरता रहेगा ।* ... 84वां इनका अंतिम जन्म हैं, क्योंकि ये सतयुग आदि में ये थे। यह सारा तुम बच्चों को याद तो होगा ना! बरोबर सतयुग आदि माना सत-त्रेता-द्वापर-

कलियुग यह चक्र फिरता है । यह सत है ये चक्र फिरता ही रहता है । इनका भी कोई ग्रंथ वालों को तो पता ही नहीं-चक्र कैसे फिरते हैं ।

उत्तर 12- *A.इसने भक्ति देरी से की है*

यह तो रावण का पराया राज्य है, इसमें अपार दु:ख हैं। राम राज्य में अपार सुख होते हैं। *तुम समझाते तो बहुतों को हो फिर कोई झट समझ जाते हैं और कोई देर से समझते हैं।* कम समझते हैं तो समझो इसने भक्ति देरी से की है। जिसने शुरू से भक्ति की है, वह ज्ञान को भी जल्दी समझ लेंगे क्योंकि उनको आगे नम्बर में जाना है।

उत्तर 13- *D. A और B*

सब आत्मायें बाप के साथ रहती हैं। उनको कहा जाता है बाप का घर, स्वीट होम। यह कोई होम नहीं। बच्चों को मालूम है वह हमारा स्वीटेस्ट बाप है। *स्वीट होम है शान्तिधाम। फिर सतयुग भी स्वीट होम है क्योंकि वहाँ हर घर में शान्ति रहती है।*

उत्तर 14- *C.ज्ञान के तीसरे नेत्र से देखने का अभ्यास करना है*

*रावण राज्य में क्रिमिनल आंखों के धोखे से बचने के लिए ज्ञान के तीसरे नेत्र से देखने का अभ्यास करना है।* पवित्रता जो नम्बरवन कैरेक्टर है, उसे ही धारण करना है।

उत्तर 15- *A.हमें स्वयं भगवान पढ़ाते हैं तो कितने भाग्यशाली हुए*

हम हैं ब्राह्मण चोटी। हमें निराकार भगवान बैठ पढ़ाते हैं। *दुनिया में मनुष्य, मनुष्य को पढ़ाते लेकिन हमें स्वयं भगवान पढ़ाते हैं तो कितने भाग्यशाली हुए।*

उत्तर 16- *B.निराकार बाप का*

*निराकार बाप का, वह तुम सब आत्माओं का बाप है।* सब आत्मायें ड्रामा के सूत्र में बांधी हुई हैं। सबसे बड़ा पोजीशन बाप का है।